# राज्य के लिए वर्षा के जल को भविष्य के लिए सहेजता एकमात्र उपाय है- भजनलाल

## मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 से हजारों गाँवों के लाखों परिवार को राहत पहुँची

जयपुर, 5 अप्रेल। भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में कम वर्षा, अनियमित मानसून, भूजल के अत्यधिक दोहन और मरुस्थलीय क्षेत्र की अधिकता के कारण जल संसाधनों की कम उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं बहने देना और उसे भविष्य के लिए सहेजना ही एकमात्र उपाय है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पुनर्जीवित कर चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के जरिए हजारों गांवों के लाखों परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य जल संकट से प्रभावित सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके से कवर कर जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट 2024-25 में घोषित इस अभियान के लिए कुल 11 हजार 200 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया, जिससे 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जाने का लक्ष्य था।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में 337 पंचायत समितियों में एक लाख से अधिक कार्य करवाने का लक्ष्य रखा गया। जिसके विरुद्ध 2 हजार 880 करोड़ रुपए के 1 लाख 4 हजार से अधिक कार्यों का अनुमोदन किया जा चुका है। इनमें से 1 हजार 48 करोड़ से अधिक के 45 हजार से ज्यादा कार्यों की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। वहीं, बजट 2026-27 में इस अभियान के तृतीय चरण के तहत 2 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार गांवों में 1 लाख 10 हजार कार्य करवाने की घोषणा की गई है।

जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' में जनभागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। स्वयंसेवी संगठनों के साथ सीएसआर के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में भी कमी आई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, योजना को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वे, जल संरचनाओं के डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित हुई है।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा*

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल स्वावलंबन अभियान 2.0 में जल भागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है।**

## होर्मुज़ स्ट्रेट पर ओमान-ईरान कर रहे वार्ता

मस्कट/तेहरान, 05 अप्रैल। ओमान और ईरान के बीच रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। इस बैठक में दोनों देशों ने समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही, सुरक्षा और संभावित नियंत्रण व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की। ओमान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को हुई इस बैठक में विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने कई प्रस्ताव पेश किए, जिन पर आगे विचार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, ईरान इस क्षेत्र में अपनी संप्रभुता को मान्यता दिलाने और जहाजों की आवाजाही पर अधिक नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है। वहीं, ओमान संतुलन बनाए रखते हुए समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की भूमिका निभा रहा है।

- **सूत्रों का कहना है कि ईरान क्षेत्र में संप्रभुता को मान्यता दिलाना चाहता है, वहीं ओमान होर्मुज़ स्ट्रेट की सुरक्षा सुनिश्चित कर रास्ता खुलवाना चाहता है।**

# अमेरिका ने लापता पायलट को ईरान से सुरक्षित बाहर निकाला

## ईरान के पहाड़ों में फंसे पायलट को निकालने के लिए घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे गए थे

- **ट्रंप ने कहा कि यह अमेरिकी सेना के इतिहास में सबसे साहसिक बचाव अभियानों में से एक है। इससे एक दिन पहले एक अन्य पायलट को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया था।**

वॉशिंगटन, 05 अप्रैल। पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बीच, अमेरिकी एफ-15ई जेट के लापता पायलट को अमेरिका ने जटिल बचाव अभियान को अंजाम देते हुए ईरान की जमीन से सुरक्षित निकाल लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी बचाव अभियान बताया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियानों में से एक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि यह बहादुर सैन्य अधिकारी ईरान के खतरनाक पहाड़ों में फंसा हुआ था और दुश्मन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। हालांकि वह अकेला नहीं था, क्योंकि उसके कमांडर-इन-चीफ, रक्षा मंत्री, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और साथी योद्धा चौबीसों घंटे उसके ठिकाने पर नजर रखे हुए थे और उसके बचाव की योजना बना रहे थे।

राष्ट्रपति के निर्देश पर, अमेरिकी सेना ने इस अधिकारी को वापस लाने के लिए दुनिया के सबसे घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमानों को भेजा। अधिकारी को कुछ चोटें आई हैं, लेकिन वह जल्द ही पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

यह उल्लेखनीय बचाव अभियान एक ऐसे समय में आया है, जब एक दिन पहले ही एक अन्य बहादुर अमेरिकी पायलट को भी सफलतापूर्वक बचाया गया था। राष्ट्रपति ने बताया कि इस दूसरे बचाव अभियान की पुष्टि इसलिए नहीं की गई थी, ताकि दूसरे अभियान में कोई खतरा न हो। यह पहली बार है, जब सैन्य इतिहास में दो अमेरिकी पायलटों को अलग-अलग, दुश्मन के इलाके में गहराई से बचाया गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दृढ़ता से कहा "हम किसी भी अमेरिकी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ेंगे!" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिना किसी एक भी अमेरिकी सैनिक के मारे जाने या घायल होने के, इन दोनों बचाव अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देना इस बात का प्रमाण है कि हमने ईरानी आसमान पर पूर्ण हवाई प्रभुत्व और श्रेष्ठता हासिल कर ली है।

## पवन खेड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेबुनियाद हमले केवल उनके कमज़ोर होते जनाधार को ही उजागर करते हैं। मैं उनके द्वारा लगाए गए हर आरोप को पूरी तरह से खारिज करता हूं। ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं, जिनका मकसद असम की जनता को गुमराह करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि मेरी पत्नी और मैं अगले 48 घंटों के भीतर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। उनके इन गैर-जिम्मेदाराना और मानहानिकारक बयानों के लिए उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। एक बार जब अदालत में सच्चाई साबित हो जाएगी, तो पवन खेड़ा को अपने कृत्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा, और कानून अपना काम करेगा।

# राघव चड्ढा ने आप नेताओं को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और राघव चड्ढा के बीच बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया के जरिए दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। अब राघव चड्ढा ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यह एक छोटा सा ट्रेलर है... पिक्चर अभी बाकी है।

राघव चड्ढा ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर कहा कि जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे हैं, उनके हर झूठ को बेनकाब किया जाएगा, मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं। आप नेता संजय सिंह, आतिशी और सौरभ भारद्वाज जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा "डरपोक" आदि का आरोप लगाने को चड्ढा ने सुनियोजित हमला करार दिया।

उन्होंने 2:40 मिनट के वीडियो संदेश में कहा कि जो लोग उन पर आरोप लगा रहे हैं, वे सभी एक ही भाषा बोल रहे हैं, जो उन्हें लिखकर दी गई है। चड्ढा ने पूछा कि संसद में आम आदमी के मुद्दे उठाना क्या गुनाह है? आप नेताओं के विपक्षी वाकआउट में शामिल न होने के आरोपों को चुनौती देते हुए, उन्होंने कहा कि सदन में सभी गतिविधि रिकार्ड होती हैं, सीसीटीवी फुटेज सामने लाए जाएं, झूठ बेनकाब हो जाएगा।

- **उन्होंने कहा, संजय सिंह, आतिशी व सौरभ भारद्वाज द्वारा लगाए आरोप सुनियोजित हमला हैं।**

मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं करने के आरोप को भी उन्होंने खारिज किया। राज्यसभा में पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से छह या सात सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किए।

उन्होंने कहा, डर की वजह से संसद में बेकार के मुद्दे उठाने का आरोप लगाने वालों को मैं बताना चाहता हूं कि मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। मैंने कौन सा मुद्दा नहीं उठाया।

उन्होंने कहा कि मैंने जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा तक की बात की है। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकार्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में जनता के मुद्दे उठाने के लिए गया हूं।

# दिल्ली में टॉय कार "बम ब्लास्ट" करने की साजिश का परदा फाश

## मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस के "ज्वांइट ऑपरेशन" में दो जैस आंतकवादियों को पकड़ा

- **अहमद उर्फ कलाम और मोहम्मद हमाद कालरा नाम के दो आतंकियों को "ज्वांइट ऑपरेशन" के दौरान कुर्ला और कड़बली से हिरासत में लिया।**

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल ने मिलकर बड़ा ज्वाइंट ऑपरेशन किया है। उन्होंने मोसाब अहमद उर्फ कलाम और मोहम्मद हमाद कालरा को पकड़ लिया है। ये दोनों संदिग्ध आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं। दोनों को हिरासत में लिया गया है। ये दोनों दिल्ली में टॉय कार से ब्लास्ट की प्लानिंग कर रहे थे।

महाराष्ट्र एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के ज्वाइंट ऑपरेशन में कुर्ला और कडवली से दोनों संदिग्धों, मोसाब और हमाद, को हिरासत में लिया गया है। इन दोनों को आगे की कार्रवाई के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। दिल्ली लाकर इनको कोर्ट में पेश करके रिमांड ली जाएगी और फिर दोनों से पूछताछ की जाएगी।

राहत की बात ये है कि आतंक की बड़ी साजिश को नाकामयाब कर दिया गया है। मोसाब और हमाद, दिल्ली को एक बार फिर दहलाने की साजिश रच रहे थे। दोनों ऑनलाइन माध्यम से रेडिक्लाइज हुए थे। आरोप के मुताबिक, ये जैश के कहने पर भारत में काम कर रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार, मोसाब और हमाद के पास से कुछ संवेदनशील चीजें भी पुलिस टीम ने बरामद की हैं। जांच एजेंसियों को यह आशंका है कि आरोपियों का ब्रेनवॉश हो चुका है। इस मामले में आगे की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल करेगी। मुंबई में पुलिस दोनों को हैंडओवर कर चुकी है।

## पायलट को बचाने आए कई अमेरिकी विमान नष्ट किए- ईरान

तेहरान, 05 अप्रैल। ईरान की धरती से अमेरिकी पायलट को सुरक्षित निकाले जाने के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों पर ईरान ने कहा है कि पायलट बचाव अभियान के दौरान कई अमेरिकी विमानों को नष्ट कर दिया गया। ईरान इंटरनेशनल ने ईरानी सैन्य एवं सुरक्षा एजेंसियों का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिणी इस्फ़हान प्रांत में फंसे अपने एक पायलट को बचाने के लिए किए गए अमेरिकी अभियान के दौरान "दुश्मन के कई विमान" नष्ट कर दिए गए। ईरान की समाचार एजेंसी तसनीम के अनुसार, खातम अल-अनबिया केन्द्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि जिन विमानों को निशाना बनाया गया, उनमें एक अमेरिकी सी-130 सैन्य परिवहन विमान और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर शामिल थे। तसनीम ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के हवाले से यह भी कहा कि गार्ड्स, जमीनी बलों, पुलिस और अन्य इकाइयों के संयुक्त अभियान में "दुश्मन के विमान नष्ट कर दिए गए। गौरतलब है कि अमेरिकी एयरफोर्स का एफ-15 ईगल जेट शुक्रवार को ईरान के दक्षिणी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

# केन्द्र ने राज्य सरकारों से आँधी-बारिश से फसलों की क्षति का आंकलन मांगा

## शिवराज सिंह एक-दो दिन में राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वास्तविक स्थिति पर चर्चा करेंगे

- **बेमौसम बारिश से उत्तर भारत और मध्य भारत के किसानों को बहुत नुकसान हुआ है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व महाराष्ट्र में गेहूँ की खड़ी फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई।**

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। देश के कई हिस्सों में बेमौसम आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से रबी की फसलों को हुए नुकसान पर केन्द्र सरकार सक्रिय हो गई है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए मंत्रालय को व्यापक समीक्षा और राज्यों से समन्वय के निर्देश दिए हैं।

कृषि मंत्रालय ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित राज्यों से तुरंत संपर्क कर जमीनी स्तर पर फसल क्षति का आकलन किया जाए। इस मुद्दे पर शिवराज एक-दो दिनों में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक कर नुकसान की वास्तविक स्थिति पर चर्चा भी करेंगे।

बेमौसम बारिश ने खासकर उत्तर भारत और मध्य भारत के किसानों को झटका दिया है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में गेहूं की खड़ी फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। कई जगहों पर फसल पककर तैयार थी, लेकिन ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने उसे गिरा दिया। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हजारों हेक्टेयर फसल खराब होने की खबर है, जिससे बड़ी संख्या में किसान प्रभावित हुए हैं। पंजाब और हरियाणा में समस्या और गंभीर है। यहां खेतों में पानी भरने से कटाई का काम ठप पड़ गया है। मशीनों का संचालन मुश्किल हो गया है। इससे मंडियों तक अनाज पहुंचने में भी देरी की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार, मौसम की यह स्थिति पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बनी है। भारत मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि सात से दस अप्रैल के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे बारिश, आंधी और ओलावृष्टि की नई लहर आ सकती है।

# 'नासिक कुंभ पर, 35000 करोड़ रूपए खर्च करेगी सरकार'

मुंबई, 05 अप्रैल। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में कहा कि राज्य सरकार नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस आज नासिक में आयोजित अखिल भारतीय संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगा। यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये के कामों का रोडमैप पेश किया। त्र्यंबकेश्वर शहर में भगवान श्री राम और सभी संतों-महंतों का स्वागत करते हुए उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए सडक़, रेल और एयरपोर्ट की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी को साफ रखने के लिए पक्के उपाय किए जाएंगे और त्र्यंबकेश्वर में साल भर पानी बहता रहे, इसके लिए भी काम चल रहा है। वारकरी परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संतों के विचारों से मन पवित्र होता है, इसीलिए कुंभ मेला ज़रूरी है।

## श्रीगंगानगर बॉर्डर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तस्करों ने ड्रोन से बॉर्डर पार कर यह खेप भारतीय क्षेत्र में ड्रॉप की थी। सुरक्षा बलों को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर तुरंत ब्लॉकेड लगाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। रात के अंधेरे में ड्रोन की आवाज सुनाई दी और उसके बाद पैकेट्स गिरते देखे गए। तलाशी में 12 किलो हेरोइन बरामद हुई, जो छोटे-छोटे पैकेट्स में पैक थी। मौके से दो युवकों को पकड़ा गया, जो इस खेप को उठाने पहुंचे थे। दोनों युवक पंजाब के रहने वाले बताए जा रहे हैं। उनसे पूछताछ में सामने आया कि यह हेरोइन पाकिस्तान से भेजी गई थी और पंजाब में सप्लाई की जानी थी। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस का कहना है कि अगर यह खेप बाजार तक पहुंचती तो नशे का बड़ा नेटवर्क फैल सकता था।

## असम के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी जुड़े हैं। इस कंपनी का बजट 3,467 करोड़ अमेरिकी डॉलर है और इसमें परिवार के सदस्यों के बीच लगभग 52,000 करोड़ रुपये के हिस्से का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से पहले दो दिन तक उनका सत्यापन किया है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस पूरे मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने की मांग की।

# आयात स्त्रोतों में विविधता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्गों की पहुंच बनाए रखी गई, जिससे गंभीर आपूर्ति व्यवधान की संभावना कम हुई।

इसका नतीजा स्पष्ट था, लागत बढ़ी, लेकिन आपूर्ति की निरंतरता बनी रही। घरेलू संरक्षण ने मजबूती बढ़ाई, एलपीजी उत्पादन में 28 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लगभग 2.9 लाख बढ़ाए गए, जिससे आंशिक रूप से एलपीजी की मांग कम हुई। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, जो लगभग 74 दिनों की खपत को कवर करता है, ने अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की।

हालांकि, आपूर्ति सुरक्षित होने के बावजूद, वैश्विक मूल्य वृद्धि अवश्य हुई। यहीं पर सबसे निर्णायक हस्तक्षेप हुआ। भारत की दूसरी और संभवत: अधिक महत्वपूर्ण नीति प्रतिक्रिया थी वैश्विक मूल्य झटकों को घरेलू खुदरा कीमतों से अलग करना, राजकोषीय अवशोषण और प्रशासनिक नियंत्रणों के संयोजन के माध्यम से।

विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक मूल्य झटकों को पूरी तरह से पास-थ्रू किया जाता, तो अंतरराष्ट्रीय एलपीजी के बढ़ते मानकों के कारण वृद्धि काफी अधिक होती। वास्तविकता में, कीमतों में केवल लगभग 60 (लगभग 7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई। इस अंतर को परतों वाले अवशोषण ढांचे के माध्यम से भरा गया। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने लगभग 40,000 करोड़ रूपए के अंडर-रिकवरी को वहन किया, जबकि सरकार ने लगभग 30,000 करोड़ रूपए का मुआवजा दिया। उज्ज्वला योजना के तहत लक्षित सब्सिडी ने कमजोर परिवारों को सुरक्षित रखा। परिणामस्वरूप, अधिकांश मूल्य झटका सार्वजनिक क्षेत्र के बैलेंस शीट द्वारा ऊपर से अवशोषित किया गया, बजाय इसके कि इसे उपभोक्ताओं तक पहुँचाया गया।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में स्थिरता और अधिक स्पष्ट रही। सरकार ने दोनों ईंधनों पर उत्पाद शुल्क में 10 प्रति लीटर की कटौती की, डीज़ल शुल्क लगभग शून्य कर दिया, और निर्यात शुल्क लगाया ताकि आपूर्ति घरेलू बाजार की ओर मोड़ी जा सके। परिणामस्वरूप, वैश्विक कच्चे तेल की उच्च कीमतों के बावजूद खुदरा कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रहीं।

## रूस ने यूक्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो गई। इसके अलावा, 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाज़ार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा। ये हमले तब हुए, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वे पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाक़ात करेंगे। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि रूस की सीमा से सटे सुमी शहर में हुए एक हमले में 11 लोग घायल हो गए, जिनमें एक 15 साल का किशोर भी शामिल है। इस हमले में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया, और घरों, कारों तथा उपयोगिता नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि राजधानी कीव में हुए एक ड्रोन हमले के कारण तीन मंज़िला दफ़्तर और गोदाम वाली एक इमारत की पहली मंज़िल पर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने की कोई ख़बर नहीं है।

## बरेलीः तेज रफ्तार बोलेरो टैंकर में घुसी, 5 की मौत

बरेली, 05 अप्रैल। यूपी के बरेली जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधोली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार बोलेरो, सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। वहीं हादसे के बाद शवों को निकालने के लिए बोलेरो को काटना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस मामले में घायलों का प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बरेली के थाना सीबीगंज क्षेत्र के परधोली के पास लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बोलेरो की रफ्तार बहुत तेज थी। ड्राइवर गाड़ी पर कंट्रोल नहीं रख सका और सीधे एक टैंकर में जा टकराया।

# सरकार चाहती है, संसद में महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं - मोदी

## कूच बिहार की चुनाव सभा में आई भीड़ को उन्होंने रिकॉर्डतोड़ भीड़ बताया

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल की महिलाओं से आग्रह किया कि वे सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं ताकि संसद में यह कानून बिना रूकावट पास कराया जा सके।**

कोलकाता, 05 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वे पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है।

पीएम मोदी ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है।

उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है।

कूचबिहार से प्रधानमंत्री ने देश के सभी राज्यों को एक और बड़ा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, उन्हें सीटों के मामले में कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी राज्यों की भागीदारी और उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार चाहती है कि संसद में इस बात पर पक्की मुहर लगे कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिल सके।

महिला आरक्षण बिल पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का विषय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के अधिकारों के लिए एक साथ आएं। उन्होंने बंगाल की महिलाओं से भी आग्रह किया कि वे सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं, ताकि संसद में इस कानून को बिना किसी रुकावट के पास कराया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि सभी दलों को खुले मन से इस ऐतिहासिक बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना हर दल की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908